an>

title: Need to take steps for proper rehabilitation of Kashmiri Pandits in Jammu and Kashmir.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : देश के मुकुट जम्मू एवं कश्मीर संस्कृति, सुरक्षा एवं सुन्दरता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है जो 1986 से लगातार आतंकवाद की विभीषिका झेल रहा है। 1986 एवं 1989 ऐसे वर्ष हैं जब बड़ी संख्या में भीषण आतंकी हमलों के कारण लाखों की संख्या में कश्मीरी पण्डितों को पलायन कर विस्थापित जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। 30 वर्ष की लंबी अवधि के बाद अब समय आ गया है कि कश्मीरी पण्डितों को अपनी जन्मभूमि मिले, वह भी क्षतिपूर्ति एवं सम्पूर्ण सुरक्षा के साथ। ताकि वे निर्भय होकर जीवन-यापन कर सकें तथा उससे ज्यादा जरूरी है कि वे अपनी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां स्वतंत्रतापूर्वक सम्पन्न कर सकें। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें रोजगार, व्यवसाय एवं सुरक्षा की दृष्टि से छावनी क्षेत्रों के निकट एक साथ पांच स्थानों पर बसाया जा सकता है। अनंतनाग जिले के बनिहाल, कुकरनाग, कुलगाम जिला, अवंतिपुरा, श्रीनगर, इन्द्रानगर, बड़गाम जैसे स्थानों को (एकानामिक जोन) आर्थिक समूह क्षेत्र सरकार घोषित करे।